उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

नशा मुक्ति पर जागरूकता से सम्बन्धित विषय

'युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्ति: समस्याएं एंव समाधान'

दिनांक 22-03-2024

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजन सचिव
डॉ0 मनोज कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र (संविदा)

कार्यक्रम निदेशक
प्रोफेसर संतोषा कुमार
निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा

आयोजक – समाज विज्ञान विद्याशाखा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

कार्यक्रम प्रतिवेदन

'युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्ति: समस्याएं एंव समाधान'पर एक दिवसीय online राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया।

उत्तर प्रदेश सरकार के शासन के पत्रांक संख्या 3385 /सत्तर -3 -2023 के संदर्भ में समाज विज्ञान विद्याशाखा (समाजशास्त्र) के द्वारा में नार्को कोंआर्डिनेशन (मादक पदार्थ) से संबन्धित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने हेतु '**युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्ति: समस्याएं एंव समाधान**' पर एक दिवसीय online राष्ट्रीय वेबिनार दिनांक 22-03-2024, समय 11 AM कमेटी कक्ष,उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज मे आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो0 एस0 एन0 शंखवार, निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। स्वागत भाषण प्रो0 संतोषा कुमार निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा,ने किया। और धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 संजय कुमार सिंह ने किया और कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ0 मनोज कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर,समाजशास्त्र (स0) समाज विज्ञान विद्याशाखा,राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया।

एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार विषय ''युवाओं में बढती मादक द्रव्य व्यवस्था की प्रकृति समस्यायें एवं समाधान'' विषय पर मुख्या वक्ता प्रो0 एस0 एन0 शंखवार ने अपने उद्बवोधन में इस विषय को बड़े मार्मिक ढ़ंग एवं अत्यन्त सरल सहज तथा सारगर्भित उद्बोधन दिया। उन्होने बताया की वर्तमान में युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रकृति में इजाफा हो रहा है। उन्होने इसके लिए विभिन्न समाजिक, आर्थिक, परिवारिक एवं मनोवैज्ञानिक कारणों को भी उल्लखित किया। उन्होने कहा कि यह अत्यन्त गम्भीर समस्या है। इसके सम्यक निवारण एवं समाधान के लिए शिक्षा जागरूकता ही एक मुख्य निवारण हो सकता है और कहा कि आज अधिकांश युवा वर्ग इस प्रवृति से ग्रसित है। उन्होने परिवार के साथ-साथ विभिन्न समस्याओं तथा गैर सरकारी संगठनो कों इस दिशा में प्रचार करने पर भी बल दिया। उन्होने कहा आज युवाओं में अनेक प्रकार शारीरिक एवं मांनसिक बीमारिया

जैसे ब्लेड प्रेसर, लीवर,सीरोसिस,किडनी,कैंसर जैसी गम्भीर समस्या से ग्रसित होने लगे है। इसके साथ उन्होने महिलाओं में भी हो रहे विभिन्न प्रकार की समस्याओं जैसे ब्रेस्ट कैंसर,गर्भावस्था कैंसर की समस्याओं से ग्रसित हो रही है। तथा उन्होने इसके विभिन्न होने वाले कारणों को भी इगिंत किया । और कहा की आज अधिकांश युवा शराब के सेवन कर रहे है।

अत्यधिक सेवन से शरीर के विभिन्न अंग जिसमे सोचने समझने की क्षमता और लीवर आदि जैसी विभिन्न प्रकार की समस्याए हो रही है। समस्या के निवारण के लिए शिक्षक और शिक्षण सस्थान की मुख्य भूमिका निभाना पड़ेगा, यदि कोई व्यक्ति शराब का सेवन कम करना चाहता है तो उसके शरीर मे विभिन्न प्रकार के लक्षण होगे जिसमे से शरीर में अकड़न, तनाव, झुनझुनाहट, शरीर में बेचैनी आदि होने लगती है । मादक द्रव्य का सेवन करने वाले को बार-बार उसके हानि को बताना चाहिए । एंव समझाना चाहिए और उसके पारिवारिक जिम्मेदारियों को बताना चाहिए कि आपका आपके परिवार के लिए रहना कितना जरूरी है । ?

जनमानस में जागरूकता की अनभिज्ञता से आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में दिन प्रतिदिन बढ़ोत्तरी हो रही है। इसके विभिन्न कारणों पर उन्होंने अत्यंत सरल सहज तथा सारगर्भित तरीके से बताया कि कैसे लोग नशे के आदि हो रहे है तथा वह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने इसके बचाव के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गंभीर तथा संवेदनशील समस्या है, जिससे युवाओं में अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थाओं में नशा मुक्ति के लिए जागरूकता लायी जाय और युवाओं को इन बुराइयों से बचाने के लिए स्वस्थ समाज विकसित किया जाए। और युवाओं कों नशे से दूर रहने का आह्वान किया। और कहा कि युवा इसके सेवन से विभिन्न प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक विकारों से ग्रसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि जनमानस में इसके प्रति जागरूकता लायी जाये।

प्रो0 शंखवार ने कहा कि आप लोगों ने वर्तमान समय के एक ज्वलंत मुद्दे के विषय का चुनाव कियाहै मादक द्रव्यों का सेवन स्टेशनों, विद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में अत्यधिक रूप से देखा जा रहा है। बच्चे स्कूलों में

एक दूसरे के सम्पर्क में आने से अच्छी संगत न होने के कारण बढ़ती है। आपस में घरेलु झगड़ा होने के कारण मादक द्रव्य लेना प्रारम्भ कर देते हैं। इससे नशे की लत होने से पारिवारिक झगड़े से परिवार टूटने लगते हैं। मेडिसिन लम्बे समय तक प्रयोग होने से मानसिक समस्यायें आने लगती हैं। नींबू-पानी, जलजीरा एवं सीकंजी आदि का प्रयोग करते करते धीरे नशे की आदत छूटने लगती है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में इजाफा हुआ है जो की बहुत चिंताजनक है।? उन्होंने इसके विभिन्न कारणों पर प्रकाश डाला उन्होंने इसके सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक कारणों को रेखांकित किया। उन्होंने अंत में कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि युवाओं में बढ़ते नशे के प्रयोग और प्रभावों के प्रति जागरूक एवं सचेत करने की आवश्यकता है।

वेविनार की सफलता पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आयोजक मंडल को साधुवाद दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, प्रभारी निदेशक, शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, परामर्शदाता, शोध छात्र आदि ने प्रतिभाग किया।

हिन्दी दैनिक
अमृतकाल
निष्पक्ष नज़र, निष्पक्ष ख़बर...
प्रयागराज, शनिवार, 23 मार्च 2024

युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गम्भीर तथा संवेदनशील समस्या : प्रो. शंखवार

अमृतकाल संवाददाता।

प्रयागराज। आज युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गम्भीर तथा संवेदनशील समस्या है, जिससे युवाओं में अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही है। युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में दिन प्रतिदिन बढ़ोत्तरी हो रही है। उक्त विचार मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.एन शंखवार निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान आई.एम.एस काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने व्यक्त किया।उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में नार्को कोऑर्डिनेशन (मादक पदार्थ) से सम्बंधित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने को नशा मुक्ति पर हायुवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्तिः समस्याएं एवं समाधानह्ल विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को किया गया। मुख्य वक्ता ने इसके विभिन्न कारणों पर बताया कि कैसे लोग नशे के आदी हो रहे हैं तथा वह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने इसके बचाव के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थाओं में नशा मुक्ति के लिए जागरूकता लायी जाय और युवाओं को इन बुराइयों से बचाने के लिए स्वस्थ समाज विकसित किया जाए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा इसके सेवन से विभिन्न प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक विकारों से ग्रसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।अध्यक्षीय उद्बोधन में मुक्त विवि के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में इजाफा हुआ है, जो बहुत चिंताजनक है। उन्होंने इसके सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक कारणों को रेखांकित किया। अंत में कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि युवाओं में बढ़ते नशे के प्रयोग और प्रभावों के प्रति जागरूक एवं सचेत करने की आवश्यकता है।कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ मनोज कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रो. संजय कुमार सिंह ने किया। वेबिनार की सफलता पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आयोजक मंडल को साधुवाद दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, प्रभारी निदेशक, शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, परामर्शदाता, शोध छात्र आदि ने प्रतिभाग किया।

प्रयागराज, शनिवार 23 मार्च 2024

संयम भारत

शारीरिक एवं मानसिक विकारों का मुख्य कारण मादक द्रव्यों का सेवन- प्रो. शंखवार

विशेष संवाददाता

संयम भारत प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान मे नार्को कोऑर्डिनेशन मादक पदार्थ से संबंधित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने हेतु नशा मुक्ति पर युवाओं मे बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्तिः समस्याएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को आयोजित किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस. एन शंखवार, निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान आइ.एम.एस. काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने कहा कि आज युवाओं मे मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति मे दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। इसके विभिन्न कारणों पर उन्होंने अत्यंत सरल सहज तथा सारगर्भित तरीके से बताया कि कैसे लोग नशे के आदी हो रहे है तथा वह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने इसके बचाव के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज युवाओं मे मादक द्रव्यों की लत एक गंभीर तथा संवेदनशील समस्या है, जिससे युवाओं मे अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही है । उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थाओं मे नशा मुक्ति के लिए जागरूकता लायी जाय और युवाओं को इन बुराइयों से बचाने के लिए स्वस्थ समाज विकसित किया जाए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा इसके सेवन से विभिन्न प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक विकारों से ग्रसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि जनमानस मे इसके प्रति जागरूकता लायी जाये। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की इस दिशा मे महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। अध्यक्षीय उद्बोधन मे विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि आज युवाओं मे मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति मे इजाफा हुआ है जो की बहुत चिंताजनक है।? उन्होंने इसके विभिन्न कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसके सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक कारणों को रेखांकित किया। उन्होंने अंत में कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि युवाओं मे बढ़ते नशे के प्रयोग और प्रभावों के प्रति जागरूक एवं सचेत करने की आवश्यकता है। प्रारम्भ में समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर एस कुमार ने विशिष्टजनों का वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ0 मनोज कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रोफेसर संजय कुमार

सिंह ने किया। वेबिनार की सफलता पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आयोजक मंडल को साधुवाद दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, प्रभारी निदेशक, शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, परामर्शदाता, शोध छात्र आदि ने प्रतिभाग आनलाइन/आफलाइन किया।

इलाहाबाद एक्सप्रेस

युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गम्भीर तथा संवेदनशील समस्या : प्रो. शंखवार

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज(हि.स.)। आज युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गम्भीर तथा संवेदनशील समस्या है, जिससे युवाओं में अनेक प्रकार की बीमारियां

फैल रही है। युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में दिन प्रतिदिन बढ़ोत्तरी हो रही है। उक्त विचार मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.एन शंखवार निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान आई.एम.एस काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने व्यक्त किया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में नार्को कोऑर्डिनेशन (मादक पदार्थ) से सम्बन्धित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने को नशा मुक्ति पर 'युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्ति: समस्याएं एवं समाधान' विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को किया गया। मुख्य वक्ता ने इसके विभिन्न कारणों पर बताया कि कैसे लोग नशे के आदी हो रहे हैं तथा वह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने इसके बचाव के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थाओं में नशा मुक्ति के लिए जागरूकता लायी जाए और युवाओं को इन बुराइयों से बचाने के लिए स्वस्थ समाज विकसित किया जाए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा इसके सेवन से विभिन्न प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक विकारों से ग्रसित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में मुक्त विवि के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में इजाफा हुआ है, जो बहुत चिंताजनक है। उन्होंने इसके सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक कारणों को रेखांकित किया। अंत में कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि युवाओं में बढ़ते नशे के प्रयोग और प्रभावों के प्रति जागरूक एवं सचेत करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ मनोज कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रो. संजय कुमार सिंह ने किया। वेबिनार की सफलता पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आयोजक मंडल को साधुवाद दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, प्रभारी निदेशक, शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, परामर्शदाता, शोध छात्र आदि ने प्रतिभाग किया।

प्रयागराज जागरण

...लाहाबाद हाई ...के सचिव बने

...नैसी बने। जनरल बाडी मीटिंग के बाद ही प्रबंधन समिति की बैठक हुई। ...समें ब्वायज हाई स्कूल की चर्च लेन ...स्थित एनेक्सी होली ट्रिनिटी स्कूल को ...वतंत्र रूप से संचालित करने का ...सला लिया गया। बैठक में सदस्यों ... बताया कि आइसीएससी ...आइएससीबीएल बोर्ड के ...यमावली के अनुसार विद्यालय ...गण के बाहर किसी भी शाखा का ...चालन अवैध माना जाएगा। इस ...के पर डा. लीडिया एंथोनी को ...रवाईजर नियुक्त किया गया।

विकारों का मुख्य कारण मादक पदार्थों का सेवन

प्रयागराज: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुवि) में नशा मुक्ति पर युवाओं में बढ़ती नशा प्रवृत्तिः समस्याएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय आनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एसएन शंखवार ने कहाकि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। इससे शारीरिक व मानसिक स्तर पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रो. एस कुमार, डा. मनोज कुमार, प्रो. संजय सिंह आदि रहे।

मादक द्रव्यों से आती हैं मानसिक विकृतियां

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा की ओर से शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मादक द्रव्यों के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य वक्ता बीएचयू के प्रोफेसर एसएन शंखवार ने चिंता जताई की आज का युवा नशे की लत में फंसता जा रहा है। उन्होंने बताया कि इससे मानसिक और शारीरिक विकृतियां आती हैं। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने शिक्षण संस्थानों से भी इसे लेकर युवाओं को जागरूक करने की अपील की। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रो. एस कुमार, डॉ. मनोज कुमार व प्रो. संजय कुमार सिंह ने भी नशे से दूर रहने की नसीहत दी। ब्यूरो

562/24 (ADM)

प्रयागराज, शनिवार 23 मार्च 2024

संयम भारत

शारीरिक एवं मानसिक विकारों का मुख्य कारण मादक द्रव्यों का सेवन- प्रो. शंखवार

विशेष संवाददाता

संयम भारत प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में नाकी कोऑर्डिनेशन मादक पदार्थ से संबंधित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने हेतु नशा मुक्ति पर युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्तिः समस्याएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को आयोजित किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस. एन शंखवार, निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान आइ.एम.एस. काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। इसके विभिन्न कारणों पर उन्होंने अत्यंत सरल सहज तथा सारगर्भित तरीके से बताया कि कैसे लोग नशे के आदी हो रहे हैं तथा वह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने इसके बचाव के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गंभीर तथा संवेदनशील समस्या है, जिससे युवाओं में अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही है । उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थाओं में नशा मुक्ति के लिए जागरूकता लायी जाय और युवाओं को इन बुराइयों से बचाने के लिए स्वस्थ समाज विकसित किया जाए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा इसके सेवन से विभिन्न प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक विकारों से ग्रसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि जनमानस में इसके प्रति जागरूकता लायी जाये। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में इजाफा हुआ है जो की बहुत चिंताजनक है।? उन्होंने इसके विभिन्न कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसके सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक कारणों को रेखांकित किया। उन्होंने अंत में कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि युवाओं में बढ़ते नशे के प्रयोग और प्रभावों के प्रति जागरूक एवं सचेत करने की आवश्यकता है। प्रारम्भ में समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर एस कुमार ने विशिष्टजनों का वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ0 मनोज कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने किया। वेबिनार की सफलता पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आयोजक मंडल को साधुवाद दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, प्रभारी निदेशक, शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, परामर्शदाता, शोध छात्र आदि ने प्रतिभाग आनलाइन/आफलाइन किया।

Voice Of Allahabad NEWS
प्रयागराज
वर्ष : 10
अंक : 103
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया
शनिवार 23 मार्च 2024

हिन्दी दैनिक

R.N.I No. UPHIN/2014/59094

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

खबर वही जो सच हो...

Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गम्भीर तथा संवेदनशील समस्याः प्रो. शंखवार

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज। आज युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गम्भीर तथा संवेदनशील समस्या है, जिससे युवाओं में अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही है। युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में दिन प्रतिदिन बढ़ोत्तरी हो रही है। उक्त विचार मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.एन शंखवार निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान आई.एम.एस काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने व्यक्त किया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में नार्का कोऑर्डिनेशन (मादक पदार्थ) से सम्बंधित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने को नशा मुक्ति पर 'युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्तिः समस्याएं एवं समाधान' विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को किया गया। मुख्य वक्ता ने इसके विभिन्न कारणों पर बताया कि कैसे लोग नशे के आदी हो रहे हैं तथा वह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने इसके बचाव के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थाओं में नशा मुक्ति

के लिए जागरूकता लायी जाय और युवाओं को इन बुराइयों से बचाने के लिए स्वस्थ समाज विकसित किया जाए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा इसके सेवन से विभिन्न प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक विकारों से ग्रसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में मुक्त विवि के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में इजाफा हुआ है, जो बहुत चिंताजनक है। उन्होंने इसके सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक कारणों को रेखांकित किया। अंत में कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि युवाओं में बढ़ते नशे के प्रयोग और प्रभावों के प्रति जागरूक एवं सचेत करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ मनोज कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रो. संजय कुमार सिंह ने किया। वेबिनार की सफलता पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आयोजक मंडल को साधुवाद दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, प्रभारी निदेशक, शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, परामर्शदाता, शोध छात्र आदि ने प्रतिभाग किया।

प्रयाग प्रभात

प्रयागराज, शनिवार 23 मार्च, 2024

शारीरिक एवं मानसिक विकारों का मुख्य कारण मादक द्रव्यों का सेवन - प्रो.शंखवार

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 22 मार्च उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में नार्का कोऑर्डिनेशन (मादक पदार्थ) से संबंधित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने हेतु नशा मुक्ति पर युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्तिः समस्याएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को आयोजित किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस. एन शंखवार, निदेशक,चिकित्सा विज्ञान संस्थान आइ.एम.एस. काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। इसके विभिन्न कारणों पर उन्होंने अत्यंत सरल सहज तथा सार गर्भित तरीके से बताया कि कैसे लोग नशे के आदी हो रहे हैं तथा वह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने इसके बचाव के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गंभीर तथा संवेदनशील समस्या है, जिससे युवाओं में अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही है । उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थाओं में नशा मुक्ति के लिए जागरूकता लायी जाय और युवाओं को इन बुराइयों से बचाने के लिए स्वस्थ समाज विकसित किया जाए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा इसके सेवन से विभिन्न प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक विकारों से ग्रसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि जनमानस में इसके प्रति जागरूकता लायी जाये। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की इस दिशा में महत्व पूर्ण भूमिका हो सकती है। अध्यक्षीय उदबोधन में विश्व विद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में इजाफा हुआ है जो की बहुत चिंताजनक है।ध उन्होंने इसके विभिन्न कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसके सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक कारणों को

RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

hpshukla50@gmail.com

शारीरिक एवं मानसिक विकारों का मुख्य कारण मादक द्रव्यों का सेवन - प्रो. शंखवार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में नार्का कोऑर्डिनेशन (मादक पदार्थ) से संबंधित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने हेतु नशा मुक्ति पर युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्ति: समस्याएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को आयोजित किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस. एन शंखवार, निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान आइ.एम.एस. काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। इसके विभिन्न कारणों पर उन्होंने अत्यंत सरल सहज तथा सारगर्भित तरीके से बताया कि कैसे लोग नशे के आदी हो रहे हैं तथा वह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने इसके बचाव के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गंभीर तथा संवेदनशील समस्या है, जिससे युवाओं में अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही है । उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थाओं में नशा मुक्ति के लिए जागरूकता लायी जाय और युवाओं को इन बुराइयों से बचाने के लिए स्वस्थ समाज विकसित किया जाए।

उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा इसके सेवन से विभिन्न प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक विकारों से ग्रसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि जनमानस में इसके प्रति जागरूकता लायी जाये। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र RNI No.-UPHIN/2020/82181 www.harbaatnews.com

हरबात

प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 04 अंक : 109 प्रयागराज, शनिवार, 23 मार्च, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

शारीरिक एवं मानसिक विकारों का मुख्य कारण मादक द्रव्यों का सेवन - प्रो. शंखवार

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में नार्को कोऑर्डिनेशन (मादक पदार्थ) से संबंधित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने हेतु नशा मुक्ति पर युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्ति: समस्याएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को आयोजित किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस. एन शंखवार, निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान आइ.एम.एस. काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है।

इसके विभिन्न कारणों पर उन्होंने अत्यंत सरल सहज तथा सारगर्भित तरीके से बताया कि कैसे लोग नशे के आदी हो रहे हैं तथा वह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है।

उन्होंने इसके बचाव के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गंभीर तथा संवेदनशील समस्या है, जिससे युवाओं में अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थाओं में नशा मुक्ति के लिए जागरूकता लायी जाय और युवाओं को इन बुराइयों से बचाने के लिए स्वस्थ समाज विकसित किया जाए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा इसके सेवन से विभिन्न प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक विकारों से ग्रसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि जनमानस में इसके प्रति जागरूकता लायी जाये। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में इजाफा हुआ है जो की बहुत चिंताजनक है। उन्होंने इसके विभिन्न कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसके सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक कारणों को रेखांकित किया। उन्होंने अंत में कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि युवाओं में बढ़ते नशे के प्रयोग और प्रभावों के प्रति जागरूक एवं सचेत करने की आवश्यकता है। प्रारम्भ में समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर एस कुमार ने विशिष्टजनों का वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ0 मनोज कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने किया।वेबिनार की सफलता पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आयोजक मंडल को साधुवाद दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, प्रभारी निदेशक, शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, परामर्शदाता, शोध छात्र आदि ने प्रतिभाग (आनलाइन/आफलाइन) किया।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : swatantrabharat.net

शारीरिक एवं मानसिक विकारों का मुख्य कारण मादक द्रव्यों का सेवनः प्रो. शंखवार

स्वतंत्र भारत व्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में नार्का कोऑर्डिनेशन मादक पदार्थ से संबंधित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने हेतु नशा मुक्ति पर युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्तिः समस्याएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को आयोजित किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस. एन शंखवार, निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान आइ.एम.एस. काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। इसके विभिनन कारणों पर उन्होंने अत्यंत सरल सहज तथा सारगर्भित तरीके से बताया कि कैसे लोग नशे के आदी हो रहे है तथा वह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने इसके बचाव के विभिनन आयामों पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में इजाफा हुआ है जो की बहुत चिंताजनक है। वेबिनार की सफलता पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आयोजक मंडल को साधुवाद दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, प्रभारी निदेशक, शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, परामर्शदाता, शोध छात्र आदि ने प्रतिभाग (आनलाइन/आफलाइन) किया।

- वर्ष : 17
- अंक : 50
- प्रातः कालीन संस्करण
- लखनऊ
- शनिवार, 23 मार्च 2024
- पृष्ठ : 08
- मूल्य : 3 रुपए

www.tijaratnews.com

तिजारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

शारीरिक एवं मानसिक विकारों का मुख्य कारण मादक द्रव्यों का सेवन: प्रो. शंखवार

(एल के अहेरवार)

▶▶ युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गंभीर, संवेदनशील समस्या

▶▶ युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में नार्को कोऑर्डिनेशन (मादक पदार्थ) से संबंधित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने हेतु नशा मुक्ति पर युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्तिः समस्याएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को आयोजित किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस. एन शंखवार, निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान आई.एमएस. काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। इसके विभिन्न कारणों पर उन्होंने अत्यंत सरल सहज तथा सारगर्भित तरीके से बताया कि कैसे लोग नशे के आदी हो रहे हैं तथा यह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है।

उन्होंने इसके बचाव के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गंभीर तथा संवेदनशील समस्या है, जिससे युवाओं में अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थाओं में नशा मुक्ति के लिए जागरूकता लायी जाय और युवाओं को इन बुराइयों से बचाने के लिए स्वस्थ समाज विकसित किया जाए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि

युवा इसके सेवन से विभिन्न प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक विकारों से ग्रसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि जनमानस में इसके प्रति जागरूकता लायी जाये।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में इजाफा हुआ है जो की बहुत चिंताजनक है। उन्होंने इसके विभिन्न कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसके सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक कारणों को रेखांकित किया।

उन्होंने अंत में कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि युवाओं में बढ़ते नशे के प्रयोग और प्रभावों के प्रति जागरूक एवं सचेत करने की आवश्यकता है। प्रारम्भ में समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर एस कुमार ने विशिष्टजनों का वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ० मनोज कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने किया। वेबिनार की सफलता पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आयोजक मंडल को साधुवाद दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, प्रभारी निदेशक, शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, परामर्शदाता, शोध छात्र आदि ने प्रतिभाग (आनलाइन/आफलाइन) किया।

अनुराग दर्शन

www.anuragdarshan.com

वर्ष-02 अंक-315 (हिंदी दैनिक) प्रयागराज शनिवार 23 मार्च 2024 पृष्ठ 4 मूल्य दो रुपया

व्यसन की प्रवृत्ति : समस्याएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार

शारीरिक एवं मानसिक विकारों का मुख्य कारण मादक द्रव्यों का सेवन- प्रो. शंखवार

प्रयागराज(अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में नार्को कोऑर्डिनेशन (मादक पदार्थ) से संबंधित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने हेतु नशा मुक्ति पर युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्ति: समस्याएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को आयोजित किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस. एन शंखवार, निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान आइ.एम.एस. काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। इसके विभिन्न कारणों पर उन्होंने अत्यंत सरल सहज तथा सारगर्भित तरीके से बताया कि कैसे लोग नशे के आदी हो रहे हैं तथा वह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने इसके बचाव के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गंभीर तथा संवेदनशील समस्या है, जिससे युवाओं में अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही है । उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थाओं में नशा मुक्ति के लिए जागरूकता लायी जाय और युवाओं को इन बुराइयों से बचाने के लिए स्वस्थ समाज विकसित किया जाए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा इसके सेवन से विभिन्न प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक विकारों से ग्रसित हो रहा है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में इजाफा हुआ है जो की बहुत चिंताजनक है।? उन्होंने इसके विभिन्न कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसके सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक कारणों को रेखांकित किया। उन्होंने अंत में कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि युवाओं में बढ़ते नशे के प्रयोग और प्रभावों के प्रति जागरूक एवं सचेत करने की आवश्यकता है। प्रारम्भ में समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर एस कुमार ने विशिष्टजनों का वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ० मनोज कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने किया। वेबिनार की सफलता पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आयोजक मंडल को साधुवाद दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, प्रभारी निदेशक, शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, परामर्शदाता, शोध छात्र आदि ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

युनाइटेड भारत

सिर्फ सच के साथ

हिन्दी दैनिक

शनिवार 23 मार्च 2024 प्रयागराज, वर्ष: 24, अंक: 85, पेज: 12, मूल्य: 3.00 रूपए

www.facebook.com/ubepaper unitedbharat21@gmail.com

शारीरिक एवं मानसिक विकारों का मुय कारण मादक द्रव्यों का सेवन : प्रो. शंखवार

युनाइटेड भारत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में नार्को कोऑर्डिनेशन (मादक पदार्थ) से संबंधित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने हेतु नशा मुक्ति पर युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्तिः समस्याएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को आयोजित किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस. एन. शंखवार, निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान आइ.एम.एस. काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। इसके विभिन्न कारणों पर उन्होंने अत्यंत सरल सहज तथा सारगर्भित तरीके से बताया कि कैसे लोग नशे के आदी हो रहे हैं तथा वह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने

इसके बचाव के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गंभीर तथा संवेदनशील समस्या है, जिससे युवाओं में अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थाओं में नशा मुक्ति के लिए जागरूकता लायी जाय और युवाओं को इन बुराइयों से बचाने के लिए स्वस्थ समाज विकसित किया जाए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा इसके सेवन से विभिन्न प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक विकारों से ग्रसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि जनमानस में इसके प्रति जागरूकता लायी जाये। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में इजाफा हुआ है जो की बहुत चिंताजनक है। उन्होंने इसके विभिन्न कारणों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने इसके सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक कारणों को रेखांकित किया। प्रारम्भ में समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर एस कुमार ने विशिष्टजनों का वाचिक स्वागत किया। संचालन आयोजन सचिव डॉ० मनोज कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने किया। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आयोजक मंडल को साधुवाद दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, प्रभारी निदेशक, शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, परामर्शदाता, शोध छात्र आदि ने प्रतिभाग (आनलाइन/ आफलाइन) किया।

हिन्दी दैनिक

अवधनामा

www.avadhnama.com

RNI NO : UPHIN/2010/31173

लखनऊ, शनिवार, 23 मार्च 2024

12 रमज़ान, 1445 हिजरी

शारीरिक एवं मानसिक विकारों का मुख्य कारण मादक द्रव्यों का सेवनः प्रो. शंखवार

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में नार्को कोऑर्डिनेशन (मादक पदार्थ) से संबंधित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने हेतु नशा मुक्ति पर युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्तिः समस्याएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को आयोजित किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस. एन. शंखवार, निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान आइ.एम.एस. काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के

सेवन की प्रवृत्ति में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। इसके विभिन्न कारणों पर उन्होंने अत्यंत सरल सहज तथा सारगर्भित तरीके से बताया कि कैसे लोग नशे के आदी हो रहे हैं तथा वह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने इसके बचाव के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गंभीर तथा संवेदनशील समस्या है, जिससे युवाओं में अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह परम कर्तव्य है कि विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थाओं में नशा मुक्ति के लिए जागरूकता लायी जाय और युवाओं को इन बुराइयों से बचाने के लिए स्वस्थ समाज विकसित किया जाए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा इसके सेवन से विभिन्न प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक विकारों से ग्रसित हो रहा है। अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में इजाफा हुआ है जो की बहुत चिंताजनक है। उन्होंने इसके विभिन्न कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसके सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक कारणों को रेखांकित किया। उन्होंने अंत में कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि युवाओं में बढ़ते नशे के प्रयोग और प्रभावों के प्रति जागरूक एवं सचेत करने की आवश्यकता है।

प्रारम्भ में समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर एस कुमार ने विशिष्टजनों का वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ० मनोज कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने किया। वेबिनार की सफलता पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आयोजक मंडल को साधुवाद दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, प्रभारी निदेशक, शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, परामर्शदाता, शोध छात्र आदि ने प्रतिभाग किया।

हिन्दी दैनिक

वर्ष- , अंक- 01
नगर संस्करण,
पृष्ठ - 4,
मूल्य 1.00 रु0

संयम भारत

उत्तर प्रदेश | प्रयागराज, शनिवार 23 मार्च 2024 | प्रयागराज | विचार

प्रयागराज, शनिवार 23 मार्च 2024 | संयम भारत

शारीरिक एवं मानसिक विकारों का मुख्य कारण मादक द्रव्यों का सेवन- प्रो. शंखवार

[illegible]

[illegible]

प्रयागराज जागरण

...ाहाबाद हाई ...के सचिव बने

...सी बने। जनरल बाडी मीटिंग के ...द ही प्रबंधन समिति की बैठक हुई। ...समें ब्वायज हाई स्कूल की चर्च लेन ...यत एनेक्सी होली ट्रिनिटी स्कूल को ...तंत्र रूप से संचालित करने का ...सला लिया गया। बैठक में सदस्यों ... बताया कि आइसीएससी ...आइएससीबीएल बोर्ड के ...मावली के अनुसार विद्यालय ...ण के बाहर किसी भी शाखा का ...ालन अवैध माना जाएगा। इस ... पर डा. लीडिया एंथोनी को ...वाईजर नियुक्त किया गया।

विकारों का मुख्य कारण मादक पदार्थों का सेवन

प्रयागराज: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुवि) में नशा मुक्ति पर युवाओं में बढ़ती नशा प्रवृत्तिः समस्याएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय आनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एसएन शंखवार ने कहाकि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। इससे शारीरिक व मानसिक स्तर पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रो. एस कुमार, डा. मनोज कुमार, प्रो. संजय सिंह आदि रहे।